RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 7 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 22 जुलाई 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

बरसात ने बिगाड़ा सारा हुलिया

जलभराव से शहरों में भारी नुकसान, शासन-प्रशासन रहा मुस्तैद

कार्यालय प्रतिनिधि

इस बार की बरसात ने सारे रिकार्ड तोड़ते हुए बहुत तोड़फोड़ की है। शहरों में जलभराव से भारी नुकसान हुआ है। सड़कों में दरार, पुलियों का धंसना, पुलों का टूटना, भूस्लखन से मार्ग अवरुद्ध हो जाना, तेज बहाव में भूमि कटाव की घटनाओं से जो जख्म मिले हैं उन्हें अभी ताजा हैं। इतना जरूर है कि इस बार शासन-प्रशासन हर पल अलर्ट मोड पर रहा है, इसके पीछे मुख्य कारण सोशल मीडिया से नजदीकियां हैं। एक जगह का हाल दूसरे स्थान पर लोग लेते रहे हैं। जब हालात खराब हों और नेतागण क्या कर रहे हैं जैसे सवाल उपजने लगे तो हर नेता चाहेगा वह अपनी ओर से सतर्क रहे। मुख्यमंत्री ने पहले ही हिदायत दे दी थी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। कुमाऊँ और गढ़वाल कमिश्नर सहित जिलाधिकारियों की निगरानी सर समय बरसात के इस मौसम में देखी गई है। उनके निर्देश पर अन्य अधिकारीगण भी लगातार मौके पर तैनात थे। जिससे जल निकासी पर अतिक्रमण हटाया गया, फंसे लोगों को एसडीआरएफ, जलपुलिस व सिपहियों ने सुरक्षित निकाला निकाला, राहत सामग्री बांटी गई। नुकसान से हालात अभी भी बिखरे हुए हैं जिन्हें संवारने में समय लगेगा।

प्रदेश में भारी वर्षा के कारण करीब चार सौ सड़कें बन्द हो गई, जिन्हें में ढेड़ सौ खोल दी गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाढ़ प्रभावित खटीमा, टनकपुर क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को अभी पूरे सीजन में सतर्क रहने के निर्देश दिये। सीएम ने कहा आपदा को रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके होने वाले प्रभावों को कम करना हम सबका दायित्व है। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों के दर्द में शामिल होकर मदद का भरोसा दिलाया। प्रदेश के लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण सड़कों पर मलवा आने से नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, मेजर डिस्टिक रोड, विलेज रोड, पीएमजीएसवाई और अन्य जिला मार्गों सहित कुल 325 सड़कों को खोलने के लिये कर्मचारी एवं अधिकारियों के साथ 279 मशीनें लगाकर काम कर रही है। लोक निर्माण विभाग ने बरसात में 63 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है।

पूर्व रक्षाराज्यमंत्री व नैनीताल लोक सभा क्षेत्र के सांसद अजय भट्ट ने भी हल्द्वानी व अन्य स्थानों में बाढ़ से पीड़ित क्षेत्रों का निरीक्षण किया और सभी से बचाव के इन्तजाम में मदद को कहा। खटीमा में उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी बाढ़ग्रस्त शहर व आस पास बचाव टीम के साथ मुस्तैद रहे। सितारगंज क्षेत्र में कबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा पीड़ितों से मिले।

बरसात थमने के बाद बाढ़ और

शेष पृष्ठ 4 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के मायने

उत्तराखण्ड की दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब पूरा प्रदेश भाजपा के रंग में डूबा है और पाँचों लोकसभा सीटें भाजपा के कब्जे में रहीं, उसके बाद मंगलौर और बद्रीनाथ विधानसभा सीटों पर पार्टी का पिछड़ना बता रहा है कि सत्ता पक्ष की हवा एकतरफा नहीं है। लोसकभा चुनाव के पूरे देश के समीकरणों के बाद उत्तराखण्ड में हवा बदली है। यह भी अनुमान है कि यदि पहले चरण के स्थान पर बाद के चरणों में उत्तराखण्ड में लोकसभा चुनाव होता तो भाजपा सभी सीटें नहीं जीत पाती।

उत्तराखण्ड के दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में लग रहा था कि सत्ता का जोर भाजपा के प्रत्याशियों को एकतरफा लहर में जीत दिलाएगा लेकिन विपक्ष की हवा इतने जोर में है कि टक्कर बराबर में है। मंगलौर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी काजी निजामुद्दीन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के करतार सिंह भड़ाना से ४४९ वोट अधिक लाकर जीत दर्ज की। काजी निजामुद्दीन को १९५५२ और करतार सिंह को ३१२६१ वोट मिले। मंगलौर सीट में कांटे की टक्कर रही जबकि बद्रीनाथ सीट पर कांग्रेस के लखपत बुटोला ने भाजपा में शामिल होकर प्रत्याशी बने राजेन्द्र भण्डारी को ५२९५ मतों के अन्तर से हराया। बुटोला को २७६९६ व भण्डारी को २२६०१ मत मिले।

बहुत सीधी सी बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जादू इस पर्वतीय राज्य में सर चढ़कर बोल रहा है, ऐसे में भाजपा का नाम लेकर छुटपुट नेता भी तीखे दिखाई देते हैं और इनके द्वारा किये गये हर व्यवहार को जनता याद रखती है, ऊपर से अपने स्वार्थ के लिये पार्टी बदलने वालों की सच्चाई भी जनता समझने लगी है। यह सब बातें उपचुनाव में हुई हैं और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के प्रचार-प्रसार के बाद भी दोनों सीटों पर उसे हारना पड़ा। कांग्रेस की जीत के यह मायने निकाय चुनाव में दम भर रहे हैं।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

भारतीय मूल के दो नागरिकों को जेल

सिंगापुर। भारतीय मूल के दो सिंगापुर नागरिकों को यहाँ की एक अदालत ने कम से कम 50 कम्पनी के जरिए लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले में दोषी ठहराते हुए अलग-अलग अवधि के लिये जेल की सजा सुनाई है।

मोदी-पुलिन मिलाप से अमेरिका परेशान

वाशिंगटन। भारत और रूस के द्विपक्षीय सम्बन्धों तथा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतीन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेल-मिलाप को लेकर अमेरिका चिन्तित है और उसने अपनी इन चिन्ताओं को भारत सरकार के साथ निजी स्तर पर बातचीज में और सीधे भी प्रकट किया है।

युएई में डाक्टर ने किया यकृत प्रतिरोपण

दुबई। भारतीय मूल के एक डाक्टर ने चार साल की बच्ची का सफलतापूर्वक यकृत (लिवर) प्रत्यारोपण किया है। जो यूएई में अपने तरह का पहला ऑपरेशन है। बुर्जील मेडिकल सिटी में डॉ.रेहान सैफ के नेतृत्व में जीवित दानदाता का यकृत लेकर बच्ची में प्रतिरोपण किया गया है।

जहाज के कैप्टन व चालक दल सम्मानित होंगे

लन्दन। तेल टैंकर के कैप्टन अभिलाष रावत व उनके चालक दल को लाल सागर बचाव मिशन में उनके साहस व समुद्र में बहादुरी के लिये अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन 2024 पुरस्कार विजेता के लिए नामित किया गया है। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस के कैप्टन बृजेश नंबियार और चालक दल को भी संकट के समय सहायता के लिये प्रशस्तिपत्र प्रदान किया है।

प्रतिबन्धित रसायनों की चीनी खेप जब्त

चेन्नई। सुरक्षा एजेंसियों ने तमिलनाडु के एक बन्दरगाह पर अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिबन्धित रसायनों की चीन से आई एक खेप जब्त की है जो माना जा रहा है कि पाकिस्तान के जैविक और रसायनिक युद्ध कार्यक्रम के लिये थी। सीएस अन्तर्राष्ट्रीय समझौतों और भारत की निर्यात नियंत्रण सूची के तहत दोहरे उपयोग वाला रसायन है।

इमरान की हरकत आतंकवादी के समान : कोर्ट

लाहौर। पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने कहा कि 9 मई की हिंसा से जुड़े मामले में जेल में बन्द पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हरकतें एक आतंकवादी के समान थी। उन्होंने अपनी रिहाई के लिए दबाव बनाने के वास्ते पार्टी नेताओं को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का कमा सौंपा।

फसक

दाज्यू, लपेट के साथ चपेट होने वाली ठैरी

कामकाज भले ही न हो, सोशल मीडिया में झमाझम जरूरी है बल

दाज्यू, मानसून का यह समय सरकारी कर्मचारियों के लिये सौगात ले आया है बल। तबादला कानून के तहत सरकारी कर्मचारियों के तबादलों की तिथि पहले 10 जून तय की थी, अब 31 जुलाई है। दाज्यू, इसे कैस तरह की सौगात मान लें क्योंकि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में पहले से हकाहाक मची हुई है। पटरी वाले कालेज से आरोपी प्राध्यापक को हटाने के लिये छात्र-छात्राओं ने मोर्चा खोल रखा है। वैसे भी दाज्यू, रीति नीति अपनी जगह ठैरी। वर्षों से घिसटने वाले चुप हैं। लपेट के साथ चपेट होने वाली ठैरी। अलाणां का फलाणां ठुल सैप ठैरा कहते हुए शहर की गलियों में घूमने वालों की मौज है। इनकी लपेट के आगे सब चुप हैं। इसी चपेट में कितनों का क्वात बना हुआ है क्या बताएं?

वैसे भी कामकाज भले ही न हो, सोशल मीडिया में झमाझम जरूरी है बल। गौकुल दा कह रहा था- 'सुबह बिना मुंह धोए फेसबुक देख लेना चाहिये इससे दिनभर ताजगी रहती है।' दाज्यू, हमारी कुछ समझ नहीं आ रहा है कि अब क्या करें? क्योंकि बिना मुंह धोके, कुल्ला करे, पूजा-पाठ करे हमें चैन नहीं आता है। अब सोशल मीडिया भी जरूरी हो गया ठैरा। देखा नहीं, आपदा के समय राहत से ज्यादा फुदकने वालों की रील चल रही थी। डूबने वालों की जान पर बीत रही है और समेटने वाले मौका तलाश रहे हैं।

दाज्यू, हल्द्वानी में डाक्टर पुनीत गोयल ने छात्रसंघ अध्यक्ष सूरज रमोला सहित 6 पर मारपीट, लूट, मानसिक क्षति पहुँचाने का मामला दर्ज कराया है। इसके बाद छात्र नेताओं ने मुकदमे वापस लेने के लिये प्रदर्शन किया। दाज्यू, इसी शहर के चर्चित निजी अस्पताल संचालक डाक्टर महेश शर्मा के खिलाफ यौन शोषण का मुकदमा दर्ज हो गया है। दाज्यू, पुलिस जाँच-पड़ताल में जुटी है। रुद्रपुर डिग्री कालेज में एक कार्यक्रम के दौरान महिला प्राध्यापिका ने खड़े छात्र नेता को कुर्सी पर बैठने को कहा तो दोनों के बीच विवाद हो गया। प्रदर्शन तो आम बात ठैरी। छात्र नेता के कमर में दर्द है इसलिये वह कुर्सी में नहीं बैठ सकता था बल। टनकपुर में खनन कारोबारी को उसके भतीजे ने गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस को बताया है कि पालतू कुत्ते के चक्कर में गोली मारी। दाज्यू, सभी लोग सकुशल रहें हम तो यही कामना करते हैं। फतोड़ा-फतोड़ से नुकसान ही होने वाला ठैरा।

सीएम ने अक्टूबर तक यूसीसी लागू करने की ठान ली है बल। नई दिल्ली के न्यू अशोक नगर में म्येरू पहाड़ फाउंडेशन की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। दाज्यू, हमारा मन भी बहुत हो रहा है बड़ा आयोजन कर सबको सम्मानित कर दें लेकिन वर्षात की बाढ़ में सब मटियामेट हो चुका है। पड़ोसी भी दरी मांगकर रात काट रहे हैं। नाले का कचार घरों में सन चुका है। हमें क्या पता था शहर का विकास इतना डरावना होता है। कलमठ घेरकर बैठे झब्बू हलवाई की भट्टी हटाने की किसी में दम नहीं है। पानी अपना रास्ता तलाशते मोहल्ले में घुस रहा है।

दाल्यु, आदमी नाम की चीज भी आग-पानी से बना ठैरा। तभी तो.....। मंगलौर उपचुनाव में घमाघम सबने देख ली। मतदान को लेकर दो पक्षों में लाठी डण्डे के बाद फोर्स तैनात करनी पड़ी। दाज्यू, हल्द्वानी के बनभूलपुरा हिंसा पर पकड़े गये अब्दुल मलिक को सितारगंज जेल में खतरा है बल। मलिक के परिजनों ने पत्र लिखकर सहायक महानिरीक्षक यसवन्त सिंह को बताया कि हिंसा के आरोपियों से मलिक की जान को खतरा है। इसके बाद नैनीताल जेल में बन्द अब्दुल मलिक और उनके बेटे अब्दुल मोईद को सितारगंज जेल शिफ्टिंग पर रोक लगा दी गई है। दाज्यू, घपलबाजी में हमेशा खतरा ही ठैरा।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

ऋषिकेश जिला बनाने की मांग उठाई

हरिद्वार। ऋषिकेश को जिला बनाने की मांग एक बार फिर से उठने लगी है। राज्य आन्दोलनकारियों ने बैठक कर ऋषिकेश को जिला बनाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रस्ताव पारित किये।

उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारियों ने नगर निगम परिसर स्थित इन्द्रमणि बडोनी सभागार में बैठक की। जिसकी अध्यक्षता बलवीर सिंह नेगी करते हुए कहा कि लम्बे समय से ऋषिकेश को जिला बनाने की मांग चल रही है लेकिन इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। कहा ऋषिकेश को ढालनवाला, तपोवन, डोईवाला आदि क्षेत्रों को जोड़कर जिला बनाया जाए। ताकि यहाँ बेहतर विकास हो सके।

बैठक में राज्य आन्दोलनकारियों ने सर्वसम्मति से ऋषिकेश को जिला बनाने, हरिद्वार मार्ग स्थित डम्प पड़े कूड़े को हटाने, नगर को अतिक्रमण मुक्त कर पार्किंग की व्यवस्था करने, नगर को नशा मुक्त करने, रायवाला पुलिस द्वारा भू माफिया को संरक्षण देने के मामले की जाँच करने, छूटे हुए राज्य आन्दोलन कारियों का चिन्हीकरण तत्काल शुरु करने आदि मांगों को लेकर प्रस्ताव पारित किये गये।

देवीधुरा कौतिक में तीन दिन बन्द रहेंगे स्कूल

चम्पावत। वाराही धाम देवीधुरा में बग्वाल मेले की तैयारियां होने लगी हैं। जिला सभागार में डीएम नवनीत पाण्डे की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि 19 अगस्त को होने वाले बग्वाल मेले में 18 से तीन दिन स्थानीय स्कूलों में अवकाश रहेगा। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हो रहे मेले में अतिरिक्त चिकित्सकों, मेडिकल स्टाफ व पर्याप्त मात्रा में दवा, एंबुलेंस के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि बिजली, पानी, संचार, यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखें।

इधर मन्दिर समिति की बैठक में संरक्षक लक्ष्मण सिंह लमगड़िया सहित सभी खामों के प्रमुखों ने बग्वाल मेले के लिये बेहतर वातावरण बनाये रखने को कहा है क्योंकि इस ऐतिहासिक मेले को देखने के लिये भारी संख्या में बाहर से भी लोग पहुँचते हैं।

कानून व्यवस्था पर उक्रांद के सवाल

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। दल के संरक्षक काशी सिंह ऐरी ने डीजीपी अभिनय कुमार से मिल कर कानून व्यवस्था की स्थिति को चिन्ताजनक बनाया। जल्द सभी अपराधों का खुलासा करने पर जोर दिया। पुलिस मुख्यालय में डीजीपी से भेंट करते हुए श्री ऐरी ने कहा कि आज प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। बड़े अपराधों का खुलासा नहीं हो रहा है। अंकिता हत्याकाण्ड, रवि बडोनी गोलीकाण्ड की उच्च स्तरीय जाँच हो। सिद्धोवाला जेल में हुई रणबीर रावत की मौत की गहन जाँच हो। हरिद्वार में सुमित अरोड़ा की गाड़ी जलाने वालों की पकड़ होनी चाहिये। डीजीपी से मुलाकात करने वालों में पूर्व केन्द्रीय काग्रकारी अध्यक्ष पंकज व्यास, केन्द्रीय युवा अध्यक्ष राजेन्द्र मौजूद रहे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पर्यावरण

ग्लेशियरों का टूटना

रतन सिंह किरमोलिया

हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या निरन्तर बढ़ते जा रही है। वहह्न ग्लोबल वाह्रमग एवं जलवायु परिवर्तन का कहर भी सिर उठा रहा है। इसके लिए इंसान ही जिम्मेदार हैं। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। आज के इंसान की विलासितापूर्ण जीवनशैली, नित्यप्रति बढ़ती गाड़ियों एवं कारों की संख्या और उनके द्वारा छोड़ा जा रहा धुआं, कल-कारखानों का विषैला धुआं एवं कचड़ा, सड़कों का बढ़ता बिछता जाल, खाली एवं कृषि योग्य भूमि पर निरन्तर विकसित हो रहे ईंट सीमेंट कांक्रीट के आलीशान जंगल, पारम्परिक चौड़ी पत्ती वाले वन इंसान की भोगवादी प्रवृत्ति एवं विकास की चकाचौंध ने लील लिए हैं। बचे खुचे जंगल निरन्तर वनाग्नि की भेंट चढ़ रहे हैं। अधिकांश चीड़ के वन वनाग्नि के कारक और कारण बन रहे हैं। वातावरण में कार्बन के कण और कार्बनडाइ आक्साइड की मात्र बढ़ रही है। ये सब कारक ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण बने हुए हैं। इस पर चिन्तन मंथन की जरूरत है।

गर्मियों में तो वनाग्नि की घटनाएं बढ़ती ही थी परन्तु यह बड़े आश्चर्य की बात है कि गत वर्षों से जाड़ों में भी वनाग्नि की घटनाएं निरन्तर सामने आ रही हैं। वनाग्नि की रोकथाम के लिए कारगर उपाय किए जाने की जरूरत हैं।

वातावरण में धुआं बढ़ने से वातावरण की नमी पर बुरा असर पड़ता है। तापमान बढ़ने लगता है। बादल और वर्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वनाग्नि से धरती का कवच ह्यूमस, हरी घास, सड़ी गली पत्तियां, छोटी मोटी झाड़ियां, छोटे एवं सूक्ष्म जीव-जन्तु, पेड़-पौधे, जड़ी-बूटियां, वन्यजीव आदि सभी को भारी क्षति पहुँचती है। चौड़ी पत्ती वाले वनों के अभाव में वातावरण में कार्बन कण और कार्बन डाइआक्साइड बढ़ने लगते हैं। ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन के लिए ये कारक भी जिम्मेदार हैं। धरती का कवच जलने से उसकी जलग्रहण क्षमता कम होने लगती है।

जलवायु परिवर्तन के कारण ही कहीं अतिवृष्टि, अनियमित वर्षा, बाढ़ एवं कहीं निपट सूखे की स्थिति पैदा हो रही है। अधिक सूखे की वजह से अधिकांश पानी के प्राकृतिक स्रोत भी सूखने की कगार पर पहुँच गए हैं। ऐसी स्थिति में निकट भविष्य में पेयजल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इन्हीं सब कारणों से आज विश्व के अधिसंख्य देशों को ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भारत में यह समस्या और अधिक जटिल होते जा रही है। इस पर विचार किया जाना नितान्त आवश्यक हो गया है।

ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन की इस विकराल स्थिति से हमारा उत्तराखण्ड भी अछूता नहीं है। यहाँ के पारम्परिक चौड़ी पत्ती वाले वन नष्ट हो गए हैं। अब यहाँ ज्यादातर चीड़ के वन रह गए हैं। चीड़ की सूखी पत्तियां वनाग्नि के कारक और कारण दोनों हैं। इसलिए यहाँ जाड़ों से ही जंगल जलने लगते हैं।

इसके साथ ही एक विचारणीय बात यह है कि यहां पहाड़ के गाँवों के लिए सड़क निर्माण में प्रयुक्त जेसीबी मशीनें जहाँ पहाड़ों के कवच को उधेड़ रही हैं। वहीं उनकी तेज कंपनयुक्त आवाज से पहाड़ हिल जा रहे हैं और कमजोर हो रहे हैं। जो भविष्य में पहाड़ में बड़ी आपदा पैदा कर सकते हैं। इस तकनीक में सुधार की जरूरत है।

उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं चारधाम यात्रा में यात्रियों को सुविधा देने के लिए हेली सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं यह प्रसन्नता की बात है परन्तु हेलीकाप्टरों की आवाजाही से उत्पन्न भारी कम्पनयुक्त आवाज से इन धामों के आसपास की जमीन हिल जा रही है और कमजोर हो रही है। और इससे धामों के आसपास हिमाच्छादित पर्वत श्रेणियों एवं ग्लेशियरों में जमी बर्फ भी ढीली हो रही है। ग्लेशियरों में आए दिन पड़ने वाली दरारें, उनका टूटना और बड़ी मात्रा में हिमस्खलन इसी का परिणाम हो सकता है। यदि ऐसा है तो यह भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। इसलिए इस पर समय रहते ध्यान दिए जाने की जरूरत है। अतः इन दूरगामी दुष्प्रभाव के संकेतों को ध्यान में रखते हुए इन पर शोधकार्य किए जाने की सख्त जरूरत है।

ज्योतिष की बातें- 187

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य कोई भी ग्रह राशि परिवर्तन नहीं कर रहा है। पूरे सप्ताह शनि मूल त्रिकोणराशि कुम्भ में, सूर्य और बुध मित्रराशि कर्क और सिंह में क्रमशः, मंगल समराशि वृषभ में, गुरु और शुक्र शत्रुराशि वृषभ और कर्क में क्रमशः यथावत् गोचर करते रहेंगे। चन्द्रमा इस सप्ताह मकर, कुम्भ, मीन व मेष में क्रमशः गोचर करेगा।

श्रावण मास प्रारम्भ- सोमवार 22 जुलाम्र 2024 से श्रावण कृष्णपक्ष प्रारम्भ होगा। इस एक माह भगवान शंकर की पूजा अर्चना, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक आदि विशेष रूप से किया जाएगा। इस बार श्रावण मास में पाँच सोमवार होंगे। प्रथम सोमवार 22 जुलाई को और अन्तिम सोमवार 19 अगस्त को होगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 78

फ्री चिकित्सा कितनी आवश्यक

आजकल जगह-जगह सरकारी अस्पताल खुले हुए हैं। आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक चिकित्सालय भी जगह-जगह बने हुए हैं। गाँव-गाँव में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध रहती है। आवश्यकता के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला चिकित्सालय आदि बड़े-बड़े चिकित्सालय भी जिसमें सभी सुविधाएं उपलब्ध होती हैं, बने हुए हैं। उन सभी जगह लगभग फ्री इलाज होता है। कोई विशेष घटना दुर्घटना होती है तो सरकार सभी का फ्री इलाज करवाती ही है। निःशुल्क चिकित्सा के लिए अन्य बहुत सी सरकारी योजनाएँ चल रही हैं। अब आयुष्मान कार्ड की सुविधा होने के कारण प्राइवेट हास्पिटल में भी 5 लाख तक के इलाज का खर्च सरकार स्वयं वहन करती है। कुछ संस्थाएँ भी इस तरह की हैं जो गम्भीर बीमारी की स्थिति में आवश्यक सहायता प्रदान करती हैं।

निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध होने के बावजूद भी व्यक्ति प्राइवेट अस्पताल में ही अर्थात् महंगे अस्पताल में चिकित्सा कराना पसन्द करता है क्योंकि वह फ्री चिकित्सा नहीं बल्कि अच्छी चिकित्सा चाहता है। इससे सिद्ध होता है कि फ्री चिकित्सा की योजनाओं की कोम्र आवश्यकता नहह्न है, न्यूनतम शुल्क तो लगना ही चाहिए। इसके साथ एक विशेष बात यह भी है कि सरकारी सहायता प्राप्त होने के कारण आदमी फिर खूब इलाज कराता है, जमकर तरह-तरह के अनावश्यक टेस्ट करवाता है, भर पेट दवाइयाँ खाता है। क्योंकि डाक्टर के सहयोग से 5 लाख तक का बिल तो तैयार करना ही है। इस कारण आजकल आदमी दवाइयाँ खा-खा कर बीमार हो रहा है और स्वास्थ्य का सत्यानाश हो रहा है। इस पर भी ध्यान देना चाहिए। इलाज फ्री करने के स्थान पर इलाज सस्ता और सुलभ करने की आवश्यकता है।

-सरल

प्रतिभा

भूपेन्द्र सिंह दुबई में बाम्बे बंगले के प्रमुख सेफ

दुबई में बाम्बे बंगले के प्रमुख शेफ, शेफ भूपेन्द्र सिंह, एक पाक प्रतिभा हैं, जिन्होंने बढ़िया भोजन की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपना नाम बनाया है। उन्होंने रेस्तरां को नई ऊँचाइयों पर ले जाने और इसे प्रतिष्ठित मिशेलिन गाइड में स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

थल के चमाली ग्राम में जन्मे भूपेन्द्र बताते हैं उनकी शुरुआती स्कूली शिक्षा का पहला साल चमाली गाँव में हुआ। पिता सेना में थे जो तब दिल्ली में तैनात थे, फिर दिल्ली चला गया और स्कूली शिक्षा केन्द्रीय विद्यालय से हुई। बताते हैं कि उच्चतर माध्यमिक के अन्त में उनके भाई ने सरकारी मंच के माध्यम से होटल प्रबन्धन का एक फार्म भरा, जिसमें मैंने प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और एसआरएम आईएचएम चेन्नई नामक प्रतिष्ठित कालेज में प्रवेश लेते हुए तीन साल का डिग्री कोर्स किया। खाद्य उत्पादन विभाग में टॉपर रहते हुए अपने कॉलेज के अन्त में पुरस्कार भी प्राप्त किया।

भारत में जन्मे और पले-बढ़े शेफ भूपेन्द्र का भोजन के प्रति जुनून कम उम्र में ही शुरू हो गया था। वह अपने भाई की पाक कला और अपने गृहनगर के विविध स्वादों से प्रेरित थे। उन्होंने अपनी पाक यात्रा की शुरुआत दिल्ली के हयात रीजेंसी में काम करके की, जहाँ उन्होंने खाना पकाने की मूल बातें सीखीं और अपने कौशल को निखारा।

शेफ भूपेन्द्र के करियर ने तब उड़ान भरी जब वह दुबई चले गए और बाम्बे बंगले में काम करना शुरू किया। वह तेजी से रैंकों में ऊपर उठे और उन्हें हेड शेफ के रूप में नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व में, रेस्तरां शहर में सबसे अधिक मांग वाले भोजन स्थलों में से एक बन गया है।

जो चीज शेफ भूपेन्द्र को अपने साथियों से अलग करती है, वह है ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त सामग्री का उपयोग करने की उनकी प्रतिबद्धता और आधुनिक तकनीकों के साथ पारम्परिक भारतीय स्वादों को शामिल करने की उनकी क्षमता। वह खाना पकाने के प्रति अपने नवोन्वेषी दृष्टिकोण और बारीकियों पर ध्यान देने के लिए जाने जाते हैं, जो उनके द्वारा बनाए गए हर व्यंजन में स्पष्ट होता है।

उनके सिग्नेचर व्यंजनों में से एक है स्मोकी लैम्ब चाप्स, जिन्हें मसालों के मिश्रण में मैरीनेट किया जाता है और तंदूर ओवन में पूर्णता के साथ पकाया जाता है। इस व्यंजन को पुदीने की चटनी के साथ परोसा जाता है और यह शेफ भूपेन्द्र की पारम्परिक भारतीय व्यंजनों को बेहतर बनाने की क्षमता का एक आदर्श उदाहरण है। शेफ भूपेन्द्र के अपने शिल्प के प्रति समर्पण ने उन्हें पिछले कुछ वर्षों में मिशेलिन गाइड सूची सहित कई प्रशंसाएं अर्जित की हैं। मिशेलिन गाइड को पाक कला की दुनिया में स्वर्ण मानक माना जाता है और सूचीबद्ध किया जाना भोजन की गुणवत्ता और बम्ब्बे बंगला द्वारा प्रदान किए जाने वाले भोजन अनुभव का एक प्रमाण है।

अपनी सफलता के बावजूद, शेफ भूपेन्द्र विनम्र बने हुए हैं और लगातार सुधार और नवप्रवर्तन पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। उनका मानना है कि सफलता की कुंजी कभी भी सीखना बन्द नहीं करना और हमेशा अपनी जड़ों के प्रति सच्चे रहना है। यदि आप एक अविस्मरणीय भोजन अनुभव की तलाश में हैं, तो बाम्बे बंगले का दौरा करना सुनिश्चित करें और शेफ भूपेन्द्र की कृतियों का स्वाद लें।

रुद्रपुर में अतिक्रमण हटाने दौरान पथराव, लोगों के पक्ष में विधायक भड़के

रुद्रपुर। काशीपुर हाईवे स्थित दानपुर के पास लोनिवि की भूमि पर काबिज लोगों को पुलिस प्रशासन ने हटाया, इस दौरान पथराव व झड़प हुई। विद्युत विभाग अपनी जमीन से कब्जे हटाने के लिये पुलिस के साथ कार्रवाई कर रहा था और 46 झुग्गी-झोपड़ियां व मकानों को तोड़ दिया गया।

काशीपुर हाईवे स्थित ग्राम दानपुर हाईवे किनारे भगवानपुर कुलड़िया में लोनिवि की भूमि पर काबिज लोगों से विभाग भूमि चाहता है लेकिन काबिज कोर्ट की शरण का हवाला देते रहे। अब अदालत का फैसला आने पर लोनिवि के अधिशासी अभियन्ता अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुँचे और कार्रवाई हुई। आशियाना उजड़ता देख गुस्सा होना स्वाभाविक है। ऐसे में नेताओं को भी अवसर की तलाश और कहने का मौका मिल जाता है। विधायक शिव अरोड़ा पुलिस प्रशासन को खूब सुनाई कहा लोगों को समय देना चाहिये।

मान भी जाओ, हल्द्वानी का पूरा ढांचा बदलने जा रहा है

हल्द्वानी। शहर के बीच से होकर जाने वाले मुख्य मार्गों का चौड़ीकरण सहित बहुत कुछ नवनिर्माण होना है। इसके लिये पुराने निर्माण ध्वस्त होंगे और बहुत सा नया बनेगा। पिघलता हिमालय ने इस बारे में पहले ही संकेत कर दिया है। इस सम्बन्ध में सम्पादक पिघलता हिमालय के सम्पादक रहे स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती की पुस्तक 'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' दस्तावेज के रूप में याद की जा रही है। जनसंख्या के दबाव और बढ़ चुकी हर प्रकार की गतिविधियों को देखते हुए हल्द्वानी का पुराना चेहरा बदलने जा रहा है। शहर में कारोबारियों ने तोड़फोड़ का विरोध किया तो शासन-प्रशासन कुछ शान्त हुआ लेकिन सरकारी सम्पत्तियों के निर्माण को तोड़ने के अलावा मुख्य मार्गों से पेड़ कटाई जारी रही। ऐसे में साफ हो चुका है कि सड़कें चौड़ीकरण व सौन्दर्यीकरण के आगे जो भी आयेगा उसे हटना होगा।

काठगोदाम में पेड़ कटाई के बाद पीलीकोठी तिराहे पर चार दशक पुराने अतिक्रमण को जेसीबी से ध्वस्त किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध कब्जों पर कार्रवाई जारी रहेगी, सड़क चौड़ी होनी है। मंगल पड़ाव में से लेकर बस अड्डे तक दशकों पुराने कब्जे भी हटने तय हैं। इससे हड़कम्प मचा हुआ है। प्रशासन ने पूरी छानबीन कर बताया है 92 अवैध कब्जेदार हैं। सड़क के बीचोंबीच से 12-12 मीटर चौड़ीकरण होना है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बरसात ने बिगाड़ा....

प्रथम पृष्ठ का शेष

भूस्खलन के घाव दिखाई दे रहे हैं। जगह-जगह टूटी सड़कें, पुल, पुलिया, भवन संवारने के अलावा परेशान लोगों को आशियाना देना चुनौती है। जलमग्न हुए शहरों में सैकड़ों घरों में राशन, घरेलू सामान सबकुछ बर्बाद हो गया। अभी सावन बरसेगा लेकिन तब तक बिखरे सामान को समेट के साथ ही अन्य तैयारियां की जा रही हैं।

चारधाम यात्रा मार्ग बुरा हाल

मौसम की मार से चारधाम यात्रा मार्ग का हाल बुरा बना हुआ है। कई जगह सड़कें कटने से सैकड़ों यात्री घण्टों सड़कों पर ही फंसे रहे। इसे देखते हुए बीच में यात्रा भी बन्द करनी पड़ी। ऋषिकेश में ऋषिगंगा का उफान देखकर एक बार फिर से डर लगने लगा।

थराली, देवलग्वाड़ में पुल बहा

चमोली जनगर में मूसलाधार बारिश से पिंडर नदी सहित प्राणमती का जल स्तर बढ़ गया और थराली, सूना, देवलग्वाड़ जाने वाला लकड़ी का अस्थाई पुल बह गया। प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से नालों के किनारे रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया। कई स्थानों पर भूस्खलन हो रहा है। जोशीमठ के चुंगी धार के पास बोल्डर गिरने से यातायात प्रभावित हुआ। गनीमत रही बोल्डर गिरते समय वहाँ वा कोई यात्री नहीं था।

टिहरी में ९८ गाँवों की निगरानी

टिहरी जिले के आपदा प्रभावित 98 गाँवों की निगरानी के लिए जिला प्रशासन ने 98 नोडल अधिकारी नामित किए, जिन्होंने आपदा बादल फटने, भूस्खलन, नदी गदेरे से लेकर सड़क के मलबो आदि से हुए नुकसान का जायजा लेते हुए जिला प्रशासन को रिपोर्ट सौंपनी शुरु कर दी है।

मल्ला जोहार में मची आफत

सीमान्त क्षेत्र मल्ला जोहार के गाँवों को जोड़ने वाली वैली ब्रिज गधेरे के उफान में बह गया। मुनस्यारी-मिलम मार्ग बन्द होने से मल्ला जोहार में खाद्यान्न संकट गहराने लगा है। इस मार्ग में रडगाडी के पास भारी मलबा आने से दिक्कत बनी हुई है। धापा, कुरीजीमिया, पातो, साईपोलू, बुई ग्राम में आवश्यक सामग्री की आपूर्ति ठप है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चीन सीमा को जोड़ने वाले गुंजी के बैली ब्रिज को सुरक्षा दीवार गिरने पर बीआरओ ने वाहनों की आवाजाही बन्द कर दी।

पुल टूटे, पुलिया बही, सड़कें टूटी

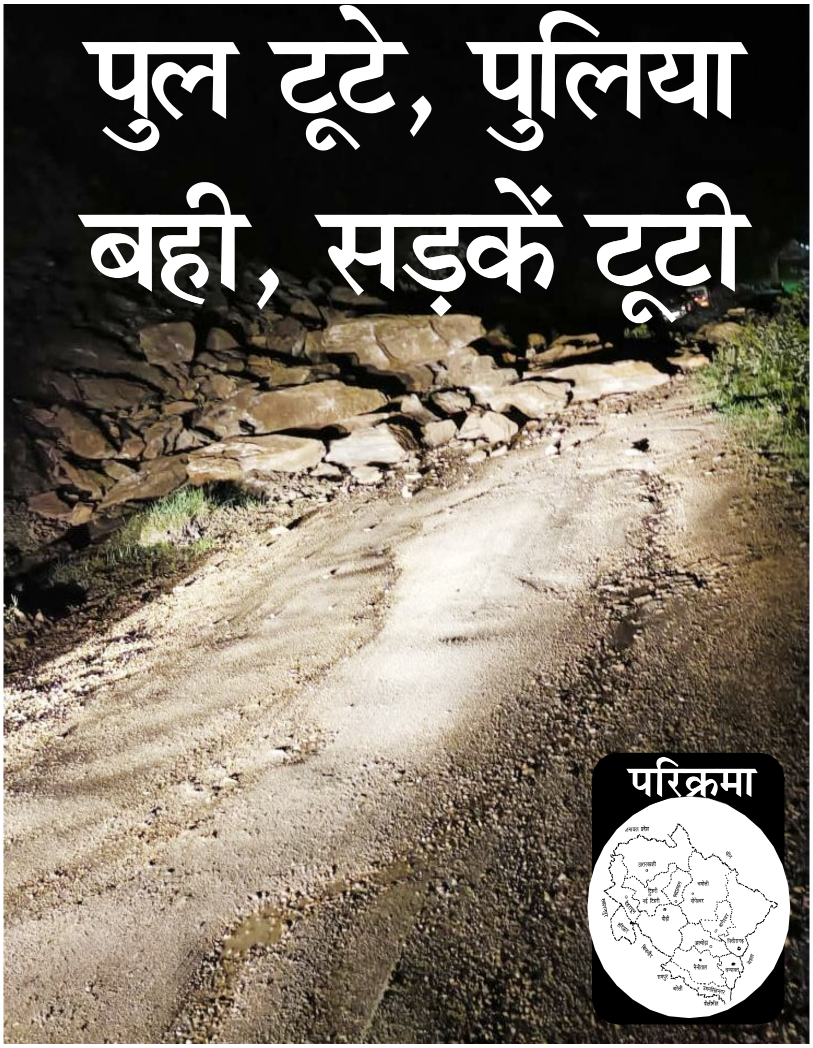

बद्रीनाथ में घुडसिल के पास भूस्खलन

बारिश के कहर में अभी भी सौ से अधिक सड़कं बन्द हैं। बद्रीनाथ हाईवे पर घुडसिल के पास भूस्खलन से भारी परेशानी हो रही है। विष्णु प्रयाग से आगे बलदौड़ा पुल के पास भी मार्ग बार-बार अवरुद्ध हो रहा है। सड़क का हाल देखते हुए श्रद्धालुओं को जोशीमठ, हेलंग, झड़कुला, पीपल कोटी में रोकना पड़ा।

चम्पावत का स्वाला खतरनाक

चम्पावत को जाने वाले मार्ग में स्वाला एकदम खतरनाक जगह हो चुकी है। चम्पावत-टनकपुर एनएच पर स्वाला में इस बार भी भारी मलवा आ गया। भारी वर्षा के कारण क्वारला नदी पर बना झूला पुल बह गया जिससे 5 हजार आबादी वाले क्षेत्र का सम्पर्क कट गया। पालबिलौन क्षेत्र के बेलखेत में क्वैराल नदी में उफान आने पर 30 साल पुराना झूलापुल टूट गया। इससे आर-पार ग्रामीणों की आवाजाही रुक चुकी है।

खटीमा बाजार में ही बाढ़ आ गई

मूसलाधार बारिश के समय खटीमा शहर का बाजार बाढ़ से घिर गया। पहली बार इतना खतरानक दृश्य देखा गया कि मुख्य मार्ग पर उफनाता हुआ पानी बह रहा था। खटीमा चौक, कंजाबाग, सैनिक कलोनी, लोहियाहैड मार्ग, अमाऊं, राजीव नगर और खेतलसंडा खास के मोहल्ले पानी में डूब गये। विधायक भुवन कापड़ी इस खतरनाक समय में अपनी टीम के साथ लगातार हालतों पर जुटे रहे। फंसे लोगों के लिये बचाव टीम ने नाव तक लगाई।

बनबसा-टनकपुर में अथाह भराव

शारदा नदी के खतरे के निशान से ऊपर उठते ही बनबसा-टनकपुर में अथाह जलभराव इस बार देखा गया। बनबसा बाजार में तेज बहाव के साथ चल रहे पानी को देख चिन्ता होने लगी है। टनकपुर में नाले भी भयंकर बनकर उछल रहे थे और बाजार क्षेत्र के आलवा घसियारा मण्डी क्षेत्र जलमग्न हो गये, जिसमें घरों में बहुत नुकसान हुआ। छीनीगोठ, सैलानीगोठ में भारी जलभराव हुआ।

नैनीताल भूस्खलन कई मार्ग बन्द

नैनीताल। शहर के चार्टन लॉज क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। नैनीताल-बसानी मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुका है। भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर बार-बार दिक्कत हो रही है। बेतालघाट ब्लाक के रामनगर-ओखल ढूंगा मार्ग में मलबा आने से वाहन फंसे। नैनीताल-हल्द्वानी और कालाढूंगी मार्ग पर पत्थर गिरने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हल्द्वानी में जल प्रलय से नुकसान

मौसम के साथ हल्द्वानी रकसिया कलसिया नाले खूब उफनाए। गौला नदी का ताण्डव भी छलका। जिससे कई क्षेत्र जल प्रलय के निशाने पर आए। कमिश्नर दीपक रावत, डीएम वन्दना सिहं सहित सारा प्रशानिक अमला यहाँ विशेष ध्यान रखा हुआ था लेकिन घनघोर बारिश को कम नहीं किया जा सकता है, पानी निकासी को अतिक्रमण हटाए गये। गौला से छोड़े गये पानी के बाद शान्तिपुरी तक भूकटाव देखा गया। गौलापार क्षेत्र में खेतों में जलभराव हुआ। चोरगलिया जाने वाले मार्ग में शेर और सूर्या नाले के उफान के कारण यातायात बाधित हुआ।

लालकुआ में जबर्दस्त जल भराव

हल्द्वानी से लगे लालकुआ शहर में जबर्दस्त जल भराव हुआ है। यहाँ रेले ट्रक डूब गये और प्लेटफार्म में पानी ही पानी भर गया। ऐसे में सभी ट्रेनों का संचालन रोकना पड़ा। आबादी वाले इलाकों में जलभराव से नुकसान हुआ। बिन्दुखत्ता क्षेत्र भी जलमग्न है। यहाँ तटबन्ध क्षतिगस्त हुए हैं। इन्दिरानगर और खुरियाखत्ता के ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी तटबन्ध बनोन की मांग की है। सेंचुरी पेपर मिल की दीवार टूटने से मिल का गन्दा पानी दुकानों में घुस गया। पन्तनगर एयरपोर्ट में डेढ़ फुट तक पानी भर गया।

रामनगर में आफत, मोहान में पुल टूटा

हल्द्वानी-रामनगर के हाईवे के बीच पुलिया टूटने से डायवर्जन किया गया है। सुन्दरखाल, गर्जिया, देवीचौड़व पूछड़ी क्षेत्र में नदी किनारे रहने वालों को सतर्क किया गया है।

मोहान पर रानीखेत को जोड़ने वाला पुल बहने से दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। पन्याली नाले से हो रहे भूकटाव से ग्रामीण खतरे की जद में हैं। ढेला नदी में बनाए गए 24 सीसी ब्लाक धंस चुके हैं।

सितारगंज में मिलों करोड़ों का नुकसान

भारी बारिश में जल निकासी नहीं होने के कारण सितारगंज में राइस मिलों में करोड़ों का नुकसान हुआ है। जीआर राइस मिल में 5 हजार कुन्तल चावल नष्ट हो गया। हाईवे पर जल निकासी को छोटी पुलिया होने से तेजी से निकास नहीं हो पाता है। बैगुल नदी के कमजोर तटबन्ध टूटने से गाँवों में पानी भर गया। बैगुल नदी का जलस्तर बढ़ने से 152 घरों में नुकसान हुआ। बाढ़ की सूचना पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने प्रभावितों क्षेत्रों का दौरा किया।

किच्छा में लोगों को शिफ्ट किया गया

जलभराव के कारण किच्छा में भी नुकसान हुआ है। ग्राम सेमलपुर की बंगाली कलोनी के घरों पानी भरने से 60 से अधिक लोगों को स्थानीय प्रा. विद्यालय में शिफ्ट किया गया। आवास विकास कालोनी, पन्त कालोनी, किशनपुर, उत्तरांचल कालोनी में जल भराव हुआ है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

आओ अपने गाँव से जुड़ें अभियान

स्व.महेन्द्र सिंह बरफाल की पुण्य स्मृति में प्रा.पाठशाल दरांती बुर्फू सभागार में हुआ सम्मान समारोह

मुनस्यारी। 'आओ अपने गाँव से जुड़ें' अभियान को चारों ओर सराहना मिल रही है। अपने माता-पिता-बुजुर्गों को याद करते हुए अपने क्षेत्र के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहित करने के कार्यक्रमों ने जिस प्रकार से जोर पकड़ा है। उसे देख लग रहा है कि इससे प्रेरित होकर लोग जुटेंगे और दूरस्थ क्षेत्र के होनहार बच्चों को इनका प्रोत्साहन राह दिखाएगा।

इसी अभियान की कड़ी में स्व. महेन्द्र सिंह बरफाल की पुण्य स्मृति में प्राइमरी पाठशाला दरांती (बुर्फू) के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें स्व. बरफाल के पुत्रगण परिजन व गणमान्य जनों ने उपस्थित होकर उत्साहित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगत सिंह मर्तोलिया जिला पंचायत सदस्य ने सभी से इस प्रकार के आयोजनों से जुड़ने की अपील की। आयोजन में विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार मयंक मपवाल, द्वितीय यश सिंह मपवाल, तृतीय वैशाली वरफाल तथा यश मपवाल को आदर्श विद्यार्थी के रूप में भी चयनित कर सम्मानित किया गया। इन सभी विद्यार्थियो को नगद पुरस्कार के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान तथा शब्दकोश (डिक्सनरी) की किताबे श्री मर्तोलिया के हाथों वितरित की गई। समारोह में ग्रामवासियों ने भागीदारी करते हुए स्वर्गीय महेन्द्र सिंह बरफाल का स्मरण किया।

उल्लेखनीय है कि स्व. महेन्द्र सिंह के पुत्रगण भूपाल सिंह बरफाल, प्रेम सिंह बरफाल, बी.एस.बरफाल सामाजिक कार्यों व अपनी मातृभूमि के लिये हमेशा सजग रहे हैं। जोहार के बुर्फू में सम्मेलन कर युवाओं को एकजुट करना हो या दरांती ग्राम में जनजागरूकता अभियान हो यह परिवार अग्रीणय रहा है। दरांती में शुरु हुई कुमाउंनी रामलीला में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पिथौरागढ़ मुख्यालय में जोहार संस्कृति व हल्द्वानी में ध्यैनियों के सम्माम में माघ की खिचड़ी सहित अन्य कार्यक्रमों में इनका लगाव देखा गया है। इसके अलावा जहाँ भी बरफाल बन्धु अपनी सेवा के दौरान रहे हैं वहाँ यादगार कार्य समाज के लिये इनके द्वारा किये जाते रहे हैं, जो समाज में प्रेरणादायक हैं।

बरसात के ताजा घाव और रिसता दर्द। अभी जारी है भूस्खलन और आगे है आशंका

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

पातालगंगा भूस्खलन क्षेत्र में बड़ा हिस्सा टूटा
बिल्जू गाड़ भयंकर, रालम में फंसे ग्रामीण
टनकपुर-बनबसा के कई इलाकों में अभी भय
मकान ध्वस्त, पुल टूटने से समकोट अलग-थलग

मानसून की बारिश में उत्तराखण्ड जिस प्रकार से तर हुआ वह जलस्रोत और फसलों के लिये तो ठीक है लेकिन जितना भयानकता के साथ इस बार तराई डूबा है और सड़कों का जाल टूटा है वह डराने वाला है। बरसात के घाव अभी ताजा है और पीड़ित लोगों का दर्द छलक रहा है। पहाड़ में जगह-जगह भूस्खन जारी है और अभी आगे भी बरसात से नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

बद्रीनाथ हाईवे पर जगह-जगह भूस्खलन से आफत मची हुई है। हाफ आरसीसी टनल को नुकसान हुआ है। इसमें दरार देखते हुए प्रशासन ने टनल के बाहर से वाहनों को आवाजाही करवाने के लिये अस्थायी सड़क बनवाई है और पैरल आवाजाही के लिये मार्ग खोला है। दरअसल पातालगंगा भूस्खलन क्षेत्र कई वर्षों से खतरा बना हुआ है। 2022 में यहाँ स्थायी ट्रीटमेंट के लिये हाफ आरसीसी टनल बनाई गई। इसके ऊपर भी मिट्टी-पत्थर गिरते रहते हैं। इस बार पहाड़ी का बड़ा हिस्सा टूटकर गिर या और पहाड़ी दरक रही है।

जोहार में बिल्जू बाड़ का भयंकर बनकर बोल्डर बहाते हुए आगे बढ़ रही है। मार्ग ध्वस्त होने से माइग्रेशन पर मल्ला जोहार रालम में 33 ग्रामीण फंस गये, जिन्हें रेस्क्यू कर निकाला गया। रालम में 500 मीटर रास्ता क्षतिग्रस्त हो चुका है। तहसील बंगापानी में 15 हजार की आबादी संचार सुविधा से बंचित है। समकोट में देवेन्द्र सिंह पुत्र कुंवर सिंह का मकान ध्वस्त हो गया। तल्ला-मल्ला समकोट को जोड़ने वाला पुल टूटने से इलाका अलग-थलग पड़ चुका है।

वर्षा और बाढ़ के कारण टनकपुर व बनबसा में जो मंजर इस बार देखा गया उसके जख्म हरे हैं और क्षेत्रवासी अभी भी भयभीत हैं। आने वाले दिनों में न जाने क्या होगा। बनबसा के चांदनी ग्रामसभा अन्तर्गत हेलागोठ निवासी बेहद डरे हुए हैं। यहाँ हुड्डा नदी पार करते समय एक महिला की मौत भी हो चुका है। गुमदी में ग्रामीणों का हाल जानने पहुँची प्रधान को ग्रामीणों ने खरीखोटी सुनाई। प्रधान ने अभद्रता करने वाली महिलाओं के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया है। इस प्रकरण में जाँच चल रही है।

ईओ बी.पी. जोशी के नेतृत्व में टनकपुर नगर पालिका प्रशासन का सराहनीय कार्य

टनकपुर। भारी बरसात के बीच इस बार टनकपुर नगरीय क्षेत्र में जिस प्रकार की आपदा आई और मोहल्ले जलमग्न हो गये। ऐसे में नगर पालिका प्रशासन ने सूझ दिखाते हुए अभियान चलाया और ईओ बी.पी.जोशी के नेतृत्व में नगर पालिका कर्मियों के साथ आपदा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री व भोजन के लिये लंच पैकेट घर-घर पहुँचाए।

प्रदेश के मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक पुष्कर सिंह धामी आदेशों व जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे के साथ ही उपजिलाधिकारी व नगर पालिका प्रशासक आकाश जोशी के निर्देशों के क्रम में टनकपुर के अधिशासी अधिकारी भूपेन्द्र प्रकाश जोशी ने शहर के अत्यधिक जलभराव वाले क्षेत्रों में पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित करने में कुशलता दिखाई। बरसात व बाढ़ में जिन परिवारों के पास खाने-बिछाने तक का सामान बर्बाद हो गया, उन्हें तत्काल मदद के लिये यह सब जरूरत है। ऐसे में पालिका की टीम ने आपदा ग्रस्त क्षेत्र में प्रभावितों को मदद में अग्रणीय भूमिका निभाई। अभियन में राजस्व टीम से प्रदीप जुकरिया, पूर्ति निरीक्षक दीपक ठाकुर, भुवन राम, नगर पालिका के बसन्त राज चन्द, विनोद, अर्जुन सिंह, प्रकाश, विशाल, बाबू, प्रकाश नेगी आदि टीम उपस्थित रही। सीएम के विस क्षेत्र में जिस कुशलता से ईओ जोशी द्वारा पहले से बेहतरीन कार्य किये जा रहे हैं उसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क 7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION || LIVE MUSIC || HOMELY FOOD || BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

CYNTHIA Senior Secondary School
Cynthia Lane
Mukani
Haldwani

Dr. Pravindra Rautela
Principal
9410715510

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)